सत्र 2024–25

Two Year

Diploma in Performing Art-Tabla (D.P.A.)

Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory – I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	66

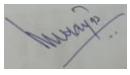

सत्र 2024–25
डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट
तबला
(शास्त्र)

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई :– 1

1. सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. श्रुति, सप्तक, आलाप, तान, टप्पा, ठुमरी, लक्षणगीत, शुद्ध एवं विकृत स्वर की परिभाषा।

इकाई :– 2.

1. आड़ाचौताल, तिलवाड़ा, चौताल, झूमरा व सूलताल के ठेकों को ठाह, दुगुन, चौगुन में लिपिबद्ध करना।
2. दीं, त्रक, घ्ड़ान, क्ड़धातिट, क्ड़ान, घेघेतिट, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों की निकास विधि की जानकारी।

इकाई :– 3.

1. लय व लय के प्रकारों की जानकारी। तबले के घरानों की संक्षिप्त जानकारी।
2. ग्रह, मोहरा, तिहाई व उसके प्रकार सरल परन, चक्रदार परन, गत की सोदाहरण जानकारी।

इकाई :– 4.

1. मध्य काल से वर्तमान काल तक के संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. उस्ताद अहमद जान थिरकवा, उस्ताद अमीर हुसैन खॉ, उस्ताद शेख दाऊद खॉ,

   पं. अनोखेलाल, उस्ताद नत्थू खॉ एवं उस्ताद अल्लारक्खा खॉ का जीवन परिचय।

इकाई :– 5.

1. पाठ्यक्रमों में सीखी गई रचनाओं को ताल लिपि मे लिखने का अभ्यास।
2. तबला वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।

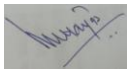

सत्र 2024–25

डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला
(प्रायोगिक)

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। तथा आड़ाचौताल, तिलवाड़ा, चौताल, सूलताल, झूमरा तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन में बजाने का अभ्यास।
2. त्रिताल में दिल्ली व अजराड़ा घराने के कायदे विस्तार सहित वादन।
3. धीक्ड़ धिंधा ऽधा धिंधा पेशकर (त्रिताल में) चार पल्टों तिहाई सहित वादन।
4. त्रिताल में चक्रदार परन, फरमाईशी परन, टुकड़े व अन्य रचनाएँ।
5. ताल झपताल में एक कायदे का विस्तार सहित वादन।
6. दादरा एवं कहरवा तालों के ठेके के प्रकार।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – श्री गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव
4. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे